छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

कैम्पस न्यूज

साप्ताहिक ई-समाचार पत्र

कानपुर नगर, शनिवार, 27 सितंबर, 2025, कुल पृष्ठ-04

डॉ.राकेश शर्मा और डॉ. समीक्षा सिंह बने विश्व के 2% शीर्ष प्रभावशाली वैज्ञानिक

उपलब्धी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है कि विश्वविद्यालय के दो प्रख्यात वैज्ञानिक-डॉ. राकेश कुमार शर्मा (जीवन विज्ञान विभाग) और डॉ. समीक्षा सिंह (एस.एन. सेन बालिका महाविद्यालय) को एल्सेवियर और स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा 2025 में प्रकाशित वैश्विक सूची में विश्व के शीर्ष 2% सर्वाधिक प्रभावशाली वैज्ञानिकों में शामिल किया गया।

यह सूची वैज्ञानिकों के शोध कार्य की गुणवत्ता, उद्धरणों की संख्या और उनके वैश्विक प्रभाव के आधार पर तैयार की जाती है। इस वर्ष विवि से दो नाम सूची में शामिल हुए हैं, जो विश्वविद्यालय की शोध क्षमता और अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रतीक हैं। डॉ. राकेश कुमार शर्मा की रैंकिंग में इस वर्ष

- यह सूची वैज्ञानिकों के शोध कार्य की गुणवत्ता, उद्धरणों की संख्या और उनके वैश्विक प्रभाव के आधार पर तैयार की जाती
- डॉ. राकेश की रैंकिंग में इस वर्ष उल्लेखनीय सुधार हुआ है, वर्ष 2024 में वे 1125 वें स्थान पर थे, जबकि 2025 में उनका स्थान 783वां रहा

उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2024 में वे 1125वें स्थान पर थे, जबकि 2025 में उनका स्थान 783वां रहा। उनका शोध क्षेत्र लिग्नोसेल्युलोसिक बायोमास कन्वर्जन, माइक्रोबियल फ्यूल सेल्स और प्रोबायोटिक्स आधारित सतत समाधान पर केंद्रित है। **डॉ. शर्मा ने कहा** : यह उपलब्धि कुलपति जी के मार्गदर्शन, सहयोगियों और विद्यार्थियों के सामूहिक सहयोग का परिणाम है। मैं भविष्य में भी प्रभावशाली शोध कर वैज्ञानिक समुदाय के लिए योगदान देना जारी रखूँगा। डॉ. समीक्षा सिंह को इस सूची में दोनों श्रेणियो-कैरियर प्रभाव और वर्ष 2025 के एकल वर्ष प्रभाव-में स्थान मिला है। यह उनके दीर्घकालिक और समकालीन शोध योगदान की पुष्टि करता है। डॉ. सिंह का शोध कार्य वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा यह सम्मान मेरे शोध प्रयासों को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता है। मैं इसे अपने विद्यार्थियों, सहयोगियों और संस्थान के सहयोग का परिणाम मानती हूँ। कुलपति ने दोनों वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में हमारे विश्वविद्यालय के दो शोधकर्ताओं का नाम आना अत्यंत गर्व का विषय है। यह उपलब्धि न केवल संस्थान बल्कि पूरे वैज्ञानिक समुदाय के लिए प्रेरणादायक है। हमें विश्वास है कि वे आने वाले समय में शोध और नवाचार की नई ऊँचाइयों को छूएंगे।

कोर्स सेलेक्शन और परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि घोषित की गई

कानपुर। सीएसजेएमयू ने सत्र 2025-26 के एनईपी पाठ्यक्रम के अंतर्गत स्नातक और परास्नातक स्तर के विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए निर्देश जारी किए हैं। विवि के अनुसार प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर के स्नातक व प्रथम तथा तृतीय सेमेस्टर के परास्नातक छात्रों को अपने कोर्स चयन, ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म सबमिशन व परीक्षा शुल्क जमा करने की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से पूरी करनी होगी। इस प्रक्रिया को 11 अक्टूबर तक पूरा करना अनिवार्य है। पूर्व से संचालित विषम सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के संस्थागत, भूतपूर्व व बैक पेपर के अर्ह छात्र/छात्राएं भी इसी तिथि तक अपनी फॉर्म सबमिशन व परीक्षा शुल्क जमा करने का कार्य पूरा करें। विवि ने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं में शामिल होने के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य है। विश्वविद्यालय ने सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों/प्राचार्याओं से अनुरोध किया है कि वे अपने स्तर से सभी छात्रों को समय पर सूचना दें और उन्हें कोर्स चयन, फॉर्म सबमिशन और परीक्षा शुल्क जमा करने में मार्गदर्शन करें।

ग्राम रामपुर में विवि ने लगाया नि :शुल्क शिविर

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस विभाग द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत ग्राम रामपुर (निकट गंगा बैराज, कानपुर) के प्राथमिक विद्यालय में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी के नेतृत्व एवं ग्राम प्रधान विनोद निषाद के सहयोग से किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों का फिजियोथेरेपी परीक्षण, नेत्र परीक्षण, रक्तचाप परीक्षण और पोषण संबंधी मूल्यांकन किया गया। साथ ही विभिन्न सामान्य रोगों से बचाव के उपाय एवं स्वास्थ्य संरक्षण से जुड़ी जानकारियां भी दी गईं। शिविर में फिजियोथेरेपी परीक्षण हेतु संस्थान के सहायक आचार्य उमेश कुमार मौर्या,खुशबू अंजुम एवं अमिल अग्रवाल उपस्थित रहे। नेत्र परीक्षण का कार्य विश्वदीप मिश्रा, दयाशंकर रस्तोगी एवं अस्मिता मिश्रा द्वारा संपन्न किया गया। शिविर के दौरान लगभग 100 ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों का वजन, लंबाई एवं पोषण मूल्यांकन किया गया।

विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को संतुलित आहार, ऋतु फल के सेवन और मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रक्तचाप एवं शारीरिक परीक्षण कर उन्हें योग, हल्के व्यायाम और नियमित स्वास्थ्य जांच की सलाह दी गई। बच्चों और बुजुर्गों के नेत्र परीक्षण में नजदीक एवं दूर दृष्टि का मूल्यांकन कर चश्मे का पावर भी बताया गया।

विवि के डिस्टेंस लर्निंग कोर्स से पाएं दोहरी डिग्री का लाभ

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने विद्यार्थियों को शिक्षा के नए अवसर प्रदान करते हुए दूरस्थ शिक्षा के तहत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सूचित किया है कि पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय में संचालित इस प्रणाली के अंतर्गत बी.ए., एम.ए., बी.कॉम., बी.बी.ए., एम.बी.ए., बी.सी.ए. और एम.सी.ए. जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। सभी कोर्स विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त हैं। दूरस्थ शिक्षा के संचालन हेतु विश्वविद्यालय परिसर में **'द्रोणाचार्य सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन'** (डी-कोड) की स्थापना की गई है। साथ ही, अनेक संबद्ध महाविद्यालयों के अनुरोध पर उन्हें लर्निंग सपोर्ट सेंटर के रूप में भी अनुमोदित किया है। विवि ने बताया कि इच्छुक संस्थान लर्निंग सपोर्ट सेंटर बनाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। डी-कोड के पाठ्यक्रमों में प्रवेश, पंजीकरण प्रपत्र, पाठ्यक्रम विवरण (सिलेबस) व लर्निंग सपोर्ट सेंटर से जुड़ी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://csjmu.ac.in/decode पर उपलब्ध है। डी-कोड की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह उन विद्यार्थियों और पेशेवरों के लिए एक बेहतर विकल्प है जो किसी कारणवश नियमित रूप से कॉलेज नहीं जा सकते। इसके माध्यम से कोई भी छात्र या व्यक्ति एक साथ दो डिग्रियाँ प्राप्त कर सकता है।

सम्मान

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्थापना दिवस समारोह पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों को किया गया सम्मानित

माउंटेन मैन ने सेवा से जुड़े रहने का छात्रों से किया आवाहन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारियों के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसमें डॉ. धर्मेन्द्र द्विवेदी, इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय बाँगरमऊ, उन्नाव को प्रथम, डॉ. मनोज कुमार यादव, जनता कॉलेज बकेवर, इटावा को द्वितीय, और डॉ. चन्द्र सौरभ, डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर को तृतीय पुरस्कार दिया गया। श्रेष्ठ सेवा

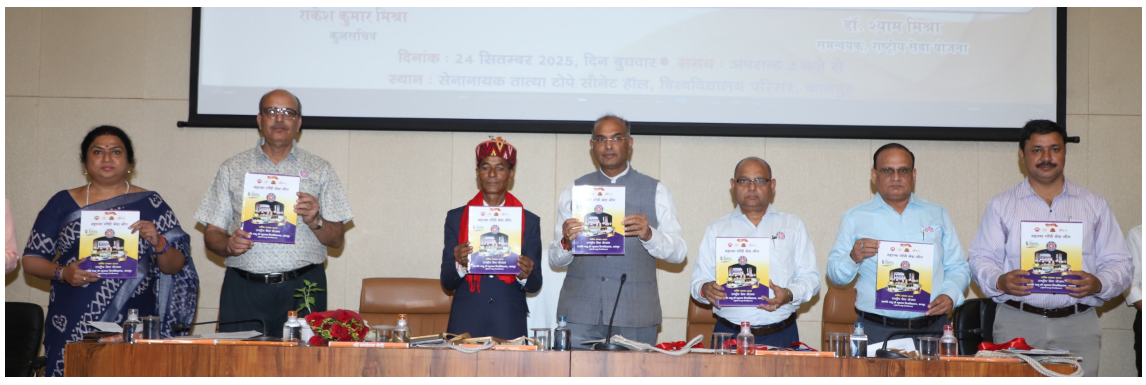

कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को कर्मवीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें अनन्या पांडेय, ब्रह्मानंद पी.जी. कॉलेज, कानपुर को प्रथम, बोबी शाक्य, चौधरी चरण सिंह पी.जी. कॉलेज, हैबरा, इटावा को द्वितीय, और प्रज्ञा वाखले (डी.ए.वी. कॉलेज) एवं रिया गौतम (डी.एस.एन. कॉलेज, उन्नाव) को तृतीय स्थान मिला।श्रेष्ठ कार्य करने वाली एनएसएस इकाई को स्वामी विवेकानंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें डी.एस.एन. (पी.जी.) कॉलेज उन्नाव को प्रथम, पी.पी.एन. कॉलेज कानपुर को द्वितीय और डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कानपुर को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों में सहयोग प्रदान करने वाले संस्थानों को कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि छपेराम नेगी (माउंटेन मैन) ने छात्रों से सेवा से जुड़े रहने का आवाहन किया।

अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही दीनदयाल के विचार: रामजी भाई

जयंती

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के अवसर पर **"पं. दीनदयाल उपाध्याय: जीवन दर्शन एवं चिंतन"** विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रामजी भाई ने इस अवसर पर कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान का प्रयास ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जीवन में अपनाने का सही मार्ग है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर महान पुरुष अल्प समय के लिए आते हैं और अपने कर्म और दृष्टि से अमर हो जाते हैं। वे किसी प्रकार के पैसों या निजी स्वार्थ के लोभ से प्रभावित नहीं होते।

रामजी भाई ने अपने उद्बोधन में एकात्म मानववाद के चार सूत्रों-धर्म (धार्मिकता), अर्थ (धन/समृद्धि), काम (सुख/इच्छा) और मोक्ष (मुक्ति)-का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि एकात्म मानववाद का उद्देश्य व्यक्ति और समाज की आवश्यकताओं को संतुलित करते हुए प्रत्येक मनुष्य के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रधर्म प्रकाशन के प्रभारी निदेशक सर्वेश चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने स्वतंत्रता के बाद भारत के विकास के लिए एक स्वदेशी वैचारिक ढांचा प्रस्तुत किया, जिसे एकात्म मानववाद कहा जाता है। उन्होंने बताया कि यह दर्शन हमें न्यायपूर्ण और समृद्ध समाज के निर्माण में मानवीय गरिमा, सद्भाव और एकजुटता के आंतरिक मूल्य की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि वेदों को जानेंगे तो अपनी प्रकृति को भी जानेंगे।

विशिष्ट अतिथि ज्ञानेंद्र मिश्रा, जो उपाध्याय जी के कई कार्यक्रमों में उनके सहयोगी रहे हैं, ने अपने अनुभव साझा किए और उपाध्याय जी के सादगीपूर्ण जीवन और उनके विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र तभी प्रगति कर सकता है जब वह अपने महापुरुषों के विचारों और संसाधनों का सही उपयोग करे। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं शोध केंद्र के निदेशक प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने की।

उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति और उसकी मेधा पर हमें गर्व है। यदि हम अपने मेधावियों को स्वदेशी का पाठ पढ़ाएं तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति पर गर्व करते हुए पुरुषार्थ के चार कर्मों और दुर्गा सप्तशती पाठ से मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हमारे अंदर दूसरों को क्षमा करने की ताकत होनी चाहिए। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन दीनदयाल शोध केंद्र के सहायक निदेशक डॉ. दिवाकर अवस्थी द्वारा किया गया। वरिष्ठ आचार्य श्रवण कुमार द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। संगोष्ठी में आचार्य स्वयंप्रकाश अवस्थी, आचार्य संगम बाजपेयी, डॉ. इन्द्रेश कुमार शुक्ल सहित विभिन्न संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरणा ली और समाज सेवा के प्रति समर्पण की भावना विकसित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामजी भाई

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पौधारोपण आयोजित

कानपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जन्म जयंती समारोह के दूसरे दिन विश्वविद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध केंद्र और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक सक्रिय रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति एवं दीनदयाल शोध केंद्र के निदेशक प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि पौधारोपण केवल शुरुआत है, पौधों की सालभर देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी शिक्षकों और विभागों से अपील कि "प्रत्येक वर्ष हमें एक पौधा गोद लेना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।" इस मौके पर डॉ. दिवाकर अवस्थी, डॉ. जितेंद्र डबराल, डॉ. रश्मि गौतम, डॉ. योगेन्द्र कुमार पांडे, प्रेमकिशोर शुक्ला, सागर कनौजिया और डॉ. हरिओम कुमार मौजूद रहे।

जिनदेव की महिमा विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कानपुर। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की प्रेरणा से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में संचालित आचार्य विद्यासागर-सुधासागर जैन शोधपीठ के प्राकृत विभाग द्वारा नवदुर्गा पर्व के पावन अवसर पर "जिनदेव की महिमा" विषय पर आध्यात्मिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अशोक कुमार जैन, निदेशक जैन शोधपीठ ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत रूबी जैन और अभिलाष जैन द्वारा मंगलाचरण से हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से भर गया प्रतियोगिता में सीखा जैन, रजनी जैन, रिया जैन, श्वेता जैन, रूबी जैन, निशा जैन, रेखा जैन सहित कुल 14 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने जिनदेव की महिमा, जैन तीर्थंकर भगवानों की भक्ति और भजनों के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से डॉ. कोमल चंद्र जैन द्वारा कराया गया, जबकि संचालन शोधपीठ में अध्ययनरत छात्रा अलका जैन ने किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रिया जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राध्यापक राहुल जैन, जितेंद्र यादव और प्रिंस जैन सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में जैन धर्म, संस्कृति और भक्ति के प्रति गहरी आस्था और प्रेरणा का संचार किया।

"रोटरी क्लब और विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से ग्रामीण शिक्षा को मिला प्रोत्साहन"

कानपुर। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा रोटरी क्लब ऑफ कानपुर के सहयोग से ग्राम विद्यालयों में निःशुल्क स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम ग्राम सुनौढ़ा (विकास खंड चौबेपुर, कानपुर) के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संपन्न हुआ। प्राथमिक विद्यालय के 51 विद्यार्थियों और उच्च प्राथमिक विद्यालय के 24 विद्यार्थियों को रोटरी क्लब ऑफ कानपुर के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल जैन, विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज़ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन कटियार, रोटेरियन गुलनाज लारी एवं देवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा वॉटरप्रूफ स्कूल बैग वितरित किए गए। विद्यालय के बच्चों ने बैग प्राप्त कर अत्यंत हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका माला दीक्षित के अनुरोध पर रोटरी क्लब ऑफ कानपुर के अध्यक्ष ने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की शिक्षा हेतु स्मार्ट टीवी लगाने की सहमति भी प्रदान की।

विवि की अंशिका ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में जीता पदक

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) की बी.पी.ई.एस.- प्रथम वर्ष की छात्रा और उत्तर प्रदेश की होनहार निशानेबाज अंशिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर महिला वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया।

अंशिका ने प्रतियोगिता में 619.2 अंक अर्जित किए और विश्व रिकॉर्ड से मात्र दो अंक पीछे रहीं। इस स्पर्धा में भारत ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया, जिससे भारतीय दल ने पदक तालिका में बढ़त हासिल की। सीमित संसाधनों के बावजूद अंशिका ने अपने कोच चंद्र मोहन तिवारी के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय की खेल नीति के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल की। पिछले कुछ महीनों में अंशिका ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता अर्जित की है। उन्होंने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप (कजाकिस्तान) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 611.0 अंक के साथ छठा स्थान पाया, जबकि उत्तर प्रदेश राज्य शूटिंग चैंपियनशिप (जयपुर) में दो स्वर्ण पदक और राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीत चुकी हैं।

अंशिका ने कहा, "आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में रजत पदक जीतना मेरे जीवन का अहम पड़ाव है। यह अनुभव मुझे और बेहतर करने की प्रेरणा देता है। मेरा लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है।" कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने अंशिका की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि, "यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की खेल नीति-2023 और खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन का परिणाम है।

उन्होंने विश्वविद्यालय, प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है।"कोच चंद्र मोहन तिवारी ने कहा कि, "अंशिका की मेहनत और अनुशासन उनकी सबसे बड़ी ताकत है। विश्व रिकॉर्ड से केवल दो अंक दूर रहना इस बात का संकेत है कि भविष्य में वह स्वर्ण पदक और नया रिकॉर्ड हासिल करेंगी।" अंशिका की यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

सीएसजेएमयू और वीएफएस ईटीएम दुबई के बीच एमओयू

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के नेतृत्व में वीएफएस ईटीएम सर्विसेज, दुबई के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

यह साझेदारी विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहुंच और अकादमिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सहयोग का उद्देश्य वैश्विक शैक्षणिक समन्वय को बढ़ावा देना है, जिसमें शोध साझेदारी, शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम और व्यावसायिक विकास के अवसर शामिल हैं। इस गठबंधन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय छात्र सीएसजेएमयू के शैक्षणिक वातावरण का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे, जबकि भारतीय छात्र वैश्विक शिक्षा के अनुभवों से लाभान्वित होंगे। एमओयू पर हस्ताक्षर प्रो. सुधांशु पांड्या (डीन, आईआरएसी सेल, सीएसजेएमयू) और काइनाज मिस्त्री (हेड ऑफ एजुकेशन सर्विसेज, वीएफएस ईटीएम सर्विसेज, दुबई) द्वारा किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ. प्रभात द्विवेदी, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. विकास सैनी सहित अंतरराष्ट्रीय छात्र और वीएफएस ईटीएम की ओर से आशीष सहगल और दीप्ति उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय नेतृत्व ने बताया कि यह एमओयू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के उद्देश्यों के अनुरूप उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह साझेदारी सीएसजेएमयू को वैश्विक शैक्षणिक मानचित्र पर और मजबूत करेगी तथा विश्वविद्यालय समुदाय को सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोगात्मक नवाचार में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगी।

इस रणनीतिक गठबंधन से यह स्पष्ट होता है कि सीएसजेएमयू शिक्षा में उत्कृष्टता, वैश्विक संबंधों के विस्तार और छात्रों को ज्ञान-आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था में सफलता के लिए तैयार करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

मासूमियत की जीत

प्रेरक कहानी

यह कहानी है अनाया कीअनाया एक छोटे से कस्बे में अपने दादा-दादी, माँ-पापा और छोटे भाई आरव के साथ रहती थी। बचपन से ही उसे महसूस होता था कि उसकी दादी उसे उतना प्यार नहीं करतीं, जितना आरव को।जब भी कोई मेहमान आता, दादी गर्व से कहतीं, "ये हमारा पोता है, खानदान का नाम रौशन करेगा।"और अनाया बस मुस्कुरा देती, मन ही मन सोचती — क्या मैं उनके नाम की नहीं हूँ?कई बार उसे लगता कि सिर्फ़ लड़की होने की वजह से दादी का स्नेह उसके हिस्से में कम पड़ा है।जब दादी आरव के लिए मिठाई बनातीं और उसे बस किनारे से एक टुकड़ा देतीं, तब उसके मन में एक हल्की सी चुभन होती।पर वो कभी कुछ कहती नहीं, क्योंकि उसे डर था कि कहीं उसके शब्दों से परिवार की शांति न टूट जाए। वो अपने दुख को रंगों में छिपा लेती थी -उसके ब्रश की हर लकीर उसके मन की अनकही बात कहती थी। अनाया को बचपन से ही रंगों से लगाव था।उसकी कॉपियों के आख़िरी पन्नों पर हमेशा रंग-बिरंगे फूल, पेड़, और चेहरे बने रहते। एक दिन उसके स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता की घोषणा हुई -"अपने जीवन के सबसे प्यारे व्यक्ति का चित्र बनाइए।"कई देर तक सोचने के बाद, अनाया ने दादी का चित्र बनाने का निश्चय किया। वो वही दादी थीं जिन्होंने उसे कभी गले नहीं लगाया था, लेकिन फिर भी उसके मन में उनके लिए एक कोना हमेशा नरम था।उसने कई दिनों तक ध्यान से दादी को देखा — उनके माथे की झुर्रियाँ, चाँदी जैसे बाल, और आँखों में वो अनकही कहानी। उसने अपने ब्रश से वो सब कागज़ पर उतार दिया। चित्र बनकर तैयार हुआ तो ऐसा लगा जैसे उसमें दादी की आत्मा बस गई हो। प्रतियोगिता के नतीजे आए — और अनाया पहला स्थान लाई!अगले दिन अख़बार में उसकी तस्वीर छपी — "स्थानीय लड़की ने जीता राज्यस्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता, विषय — दादी का प्यार।"अख़बार में उसकी बनाई हुई दादी की तस्वीर भी छपी थी।जब दादी ने वो अख़बार देखा, तो कुछ पल तक कुछ बोली नहीं।फिर उन्होंने धीरे से अनाया को बुलाया, उसे अपनी गोद में बिठाया और कहा —"तूने तो मेरी आत्मा को कागज़ पर उतार दिया रे बिटिया... "उनकी आँखों से आँसू बह निकले।उसी पल अनाया ने पहली बार महसूस किया —दादी का प्यार, जो शायद शब्दों में कभी नहीं था, पर उसके भीतर हमेशा छिपा हुआ था। उस दिन के बाद दादी हर किसी से कहतीं, "हमारी पोती अनाया बहुत बड़ी कलाकार बनेगी।"अब जब भी दादी पूजा करतीं, अनाया को अपने पास बिठातीं, उसका सिर सहलातीं और कहतीं -"तू मेरी शान है, अनाया।"और अनाया के लिए यही सबसे बड़ी जीत थी —प्यार की, पहचान की, और उस मौन रिश्ते की जो आखिरकार शब्दों में ढल गया।

-आयशा अजमत,(बीएजेएमसी तृतीय वर्ष)

भगत सिंह हॉउस ने जीता बास्केटबॉल का खिताब

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के नवनिर्मित एकलव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शनिवार को आयोजित बास्केटबॉल इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता में भगत सिंह हॉउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी (डायरेक्टर, स्कूल ऑफ लैंग्वेज), विशिष्ट अतिथि डॉ. अंकित त्रिवेदी (प्रभारी एनसीसी एवं सुरक्षा), विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव तथा क्रीड़ा सचिव निमिषा सिंह कुशवाहा द्वारा फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। प्रतियोगिता में शारीरिक शिक्षा विभाग के चार हाउसों के मध्य रोमांचक मुकाबले हुए, जिनमें लगभग 192 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फाइनल मुकाबले में भगत सिंह हॉउस ने बेहतरीन तालमेल और रणनीति का प्रदर्शन करते हुए आजाद हॉउस को 25-14 के अंतर से पराजित किया। इससे पहले खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में आजाद हॉउस ने महाराणा प्रताप हाउस को 21-17 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भगत सिंह हॉउस ने शिवाजी हॉउस को कड़े संघर्ष में 32-31 से मात दी। महिला वर्ग में आजाद हॉउस की अवंतिका मिश्रा को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया, वहीं पुरुष वर्ग में यह सम्मान भगत सिंह हॉउस के धनंजय सिंह को प्राप्त हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. प्रभाकर पांडे, शिव आधार, अभिषेक मिश्रा, सौरभ तिवारी, अश्वनी मिश्रा, मोहित तिवारी, राहुल दीक्षित, धर्मेंद्र चौहान, शोभित तिवारी एवं शुभम हजारिया सहित अनेक शिक्षक, प्रशिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानवीय मूल्य आधारित शिक्षा समाज के लिये जरूरी

विचार

डॉ रश्मि गौतम, असिस्टेंट प्रोफेसर
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सीएसजेएमयू

मानव मूल्य शिक्षा ही मानव जीवन की आधारशिला है। शिक्षा जीवन की अमूलभूत आवश्यकताओं में प्रमुख आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महती भूमिका है।समाज में नैतिक मूल्यों का आधार शिक्षा ही है जो मानव को जीवन जीने के प्रमुख पहलुओं के संबंध में सीख देती है। शिक्षा ही मानव को नैतिक मूल्यों के प्रति सजगता का भाव विकसित करती है। मनुष्य में नैतिकता का भाव, उचित आचारण, कर्मनिष्ठा, सत्यनिष्ठा एवं सेवा भाव जैसे मूलभूत गुणों का विकास करना ही मानवीय मूल्यों का सार होता है।वर्तमान में तकनीकी विकास एव भौतिक सुविधाओं की ओर बढ़ती उपभोगता के कारण मानवीय मूल्यों में निरन्तर गिरावट आ रही है। ऐसे भौतिकता के दौर में मानव मूल्य शिक्षा का महत्व लाजमी है। शिक्षा ही मनुष्य को सही दिशा का मार्गदर्शन एवं समाज हेतु सकारात्मक सोच को विकसित करती है।मानवीय मूल्य शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान का अर्जन हो नहीं बल्कि मानव में नैतिक चेतना एवं व्यवहारिक सद्गुणों का विकास करना है। मानवीय मूल्य केवल धन अर्जन ही नहीं बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता का द्योतक भी है। मावन मूल्य शिक्षा व्यक्ति को आत्म-संयम, आत्म-चितंन और समाज के प्रति जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाती है।शिक्षण संस्थानों में मानव मूल्य शिक्षा के अन्तर्गत विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार, ईमानदारी, अनुशासन, और सदभावना का भाव का विकास होता है। समाज में मानव मूल्य शिक्षा का महती भूमिका है। मानव मूल्य शिक्षा समाज में पारम्परिक सम्मान, सहयोग, एकता की भावना को विकसित करती है।शिक्षा व्यक्ति को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी क प्रति अपनी भूमिका को समझना सीखता ह तब समाज में शांन्ति, सुरक्षा एवं सद्भावना की स्थापना होती है।मानवीय मूल्यों को शिक्षण संस्थानो के पाठ्यकमों में शामिल किया जाना चाहिए जिससे समाज का सर्वाग्रीण विकास संभव हो सके। मानवीय मूल्यों के माध्यम से युवा पीढ़ी को संयम, संस्कार, सकारात्मक विचार एवं सम्मान, सद्भावना एवं शान्ति से जीवन जीना की शिक्षा दी जा सकं ताकि मानवीय मूल्यों को पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचाया जा सके। मानवीय मूल्य शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे समाज को सही दिशा एवं पथ प्रदर्शित किया जा सकता है। मानव मूल्य शिक्षा का व्यक्ति, परिवार, समाज एवं शिक्षण संस्थानों तक सरोकार नहीं है अगली पीढ़ी को नैतिक मूल्यों, संयम, सम्मानपूर्ण व्यवहार एवं सद्भाव के लिये जरूरी है

सीएसजेएमयू के फाइन आर्ट्स विभाग के छात्रों ने सीखी लेखन कला की बारीकियां

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में 26-27 सितम्बर 2025 को दो दिवसीय कैलिग्राफी कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. शिल्पा कायस्थ, डीन, इनोवेशन फाउंडेशन ने किया। इस अवसर पर दि कैलिग्राफी फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक अभिषेक वर्धन सिंह तथा आरिफ खान ने विद्यार्थियों को कैलिग्राफी की मूलभूत तकनीकों, लेखन की सौंदर्य दृष्टि और आधुनिक दृश्य संचार में इसके महत्व के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में लगभग 110 छात्र-छात्राएँ भाग लिए। कार्यशाला का समापन कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक द्वारा किया गया। कुलपति ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए लेखन

कार्य का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। साथ ही उन्होंने दि कैलिग्राफी फाउंडेशन के साथ एमओयू साइन करने की योजना की घोषणा की, जिससे विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के छात्र भी इस कला को सीख सकेंगे।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. राज कुमार सिंह ने कहा कि "ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों की रचनात्मकता को नई दिशा देती हैं और उन्हें पेशेवर जीवन में अधिक सक्षम बनाती हैं।" विभाग के सह निदेशक डॉ. मिठाई लाल ने विद्यार्थियों के अनुभव साझा किए और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला का संचालन तनीषा वधावन ने किया और संयोजन का दायित्व विनय सिंह एवं डॉ. रणधीर सिंह ने निभाया।

इस अवसर पर विभाग के अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित सप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक - डॉ. विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता - डॉ. हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक -सुधीर कुमार (बीएजेएमसी), पृष्ठ सज्जाकार-हरि ओम तिवारी (एमएजेएमसी) अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकांउट पर सम्पर्क करें।
@djmccsjmu/@csjmuofficial @csjmuofficial